Seventeenth Loksabha

>

Title: Issue regarding menace caused by monkeys in pilgrimes and residential areas in Mathura, UP.

श्रीमती हेमामालिनी (मथुरा): अध्यक्ष महोदय, मेरा विषय बंदरों के आतंक से तीर्थस्थलों में रहने वाले लोगों के लिए समस्या से संबंधित है । बंदर का नाम लेते ही हम सभी को मजाक लगता है, लेकिन यह विषय बहुत ही गंभीर है, इसलिए मैं आज यह विषय आपके सामने उठा रही हूं । मथुरा, गोवर्द्धन और वृंदावन के लोग बंदरों से परेशान हैं । वृंदावन में घना जंगल हुआ करता था, जहां बंदर खुशी से खाते-पीते और रहते थे, लेकिन वहां आज सिर्फ बिल्डिंग्स हैं और पेड़ इतने कम हैं कि कहने लायक नहीं है । जिसके कारण वहां के भूखे बंदर घर-घर जाकर आतंक मचाते हैं और वहां के नागरिक उन्हें मार-मार कर भगा देते हैं । तीर्थ यात्री उनको फ्रूटी पिलाते हैं, समोसा, कचौड़ी और मथुरा का पेड़ा खिलाते हैं, जिसकी वजह से बंदर बहुत बीमार हो चुके हैं । यह बीमारी फैल रही है, यह बीमारी वहां के लोगों में भी फैल रही है । वहां के डॉक्टर्स ने बंदरों की संख्या को कम करने के लिए स्टरलाइजेशन भी किया, जिसका परिणाम यह हुआ कि वे बहुत वायलेंट हो गए हैं और वे लोगों पर जानलेवा हमला करते हैं । वृंदावन में ऐसा भी हुआ है कि कई लोग मर चुके हैं, यह सच है । हम लोगों को इस धरती पर रहने का जितना हक है, उतना ही जानवरों को भी इस धरती पर रहने का हक है । इसके लिए समाधान होना चाहिए ।

मैं आपके माध्यम से वन विभाग से रिक्वेस्ट करती हूं कि 'मंकी सफारी' बना कर बंदरों को एक जगह रखेंगे, तो नागरिक और बंदरों की समस्या कम हो सकती है । मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से विनती करती हूं कि इस बात को बहुत गंभीरता से लें और इस समस्या का समाधान जरूर करें, इसे मजाक न समझें । It is a very important matter.

माननीय अध्यक्ष : डॉ. मनोज राजोरिया, श्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्री गणेश सिंह, श्री उदय प्रताप सिंह, श्री श्रीरंग आप्पा बारणे, डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे, श्री राहुल रमेश शेवले, श्री ओम पवन राजेनिंबालकर, श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक और श्री कुलदीप राय शर्मा को श्रीमती हेमामालिनी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्री चिराग पासवान (जमुई): अध्यक्ष महोदय, यह एक गंभीर समस्या है । जिस तरह से वन खत्म हो रहे हैं, बंदर तो एक इश्यू है ही, हम लोगों के एरिया में तथाकथित जो लुटियन जोन है, जहां पर घरों में परिवार और बच्चे रहते हैं । वहां गार्डेन भी है, लेकिन बच्चे गार्डेन में नहीं जा सकते हैं क्योंकि वहां बंदरों का बहुत आतंक है । बंदर काटते हैं, परेशान करते हैं, हैरान करते हैं । लुटियन जोन में बोर्ड भी लगा दिए गए हैं कि बंदरों से सावधान रहें । यह गंभीर चिंता की बात है । मैं चाहूंगा कि मिनिस्ट्री इस पर ध्यान दे । डिफॉरेस्टेशन हो रहा है, उनके घरों को तोड़ा जा रहा है, इसलिए वे हमारे घरों की ओर रुख कर रहे हैं । यह जरूरी है कि हम उनके घरों को सुरिक्षत रखें ताकि वे अपने घर में सुरक्षा से रहें और हम अपने घर में सुरक्षा से रहें । दिल्ली में भी यह बड़ा विषय है । जिन्होंने इस विषय को उठाया है, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं ।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Sir, I have also been a victim of such a situation. I am habitual of visiting Vrindavan. There is Ramakrishna Mission whose headquarters Belur Math is in Kolkata. When I visited, I was wearing my spectacles.

माननीय अध्यक्ष : मैडम, आप बैठ जाइए । आपके विषय का नोटिस लिया है ।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : I went to Vrindavan to see the Banke Bihari Mandir. I am very much connected with Ramakrishna Mission over there. The Guruji was also accompanying me. I was wearing my spectacles. When I simply stepped out of my car, I had a feeling of some touch and found that there were no spectacles on my eyes. It was so nicely lifted by a monkey that it was unbelievable. The moment eight or ten Fruity packets were thrown by the shopkeepers, बंदर ने वहां उसको देखा, वहां से उतरा और दो फ्रूटी लेकर ऊपर गया और चश्मा वापस दे दिया । At few places, I watched some persons waiting, from where the monkeys could get Fruity. फ्रूटी पीने के बाद उनके पेट में दर्द होता है, लेकिन वे खुद फ्रूटी मांगते हैं । So, the situation is very dangerous. आप मंदिर दर्शन करने से पहले अपना चश्मा, प्रसाद, सभी चीजें पॉकेट में रख दीजिए । जो चश्मा के बिना नहीं देख पाते हैं, वे भी बंदर के डर से मंदिर में ऐसे-ऐसे घूमते हैं । Sir, you take the issue seriously. Shrimati Hema Malini is the local MP of that area. I hear from the Ramakrishna Mission people that she also goes there and takes up their problems.

Sir, this is a serious issue and can be tackled by the Government.